(b) A site on NH. 34 near Farakka in West Bengal has been identified for development of Passenger Oriented Wayside Amenities by Multi-disciplinary team under Govt. Sector Scheme.

(c) Yes, Sir.

(d) Four offers have been received from Private Entrepreneurs for fol lowing locations:

(i) At Km 805 on NH-31
(Siiiguri-Bajighat Section)

(ii) At km 103 on NH-34
(Calcutta-Siliguri Section)

(iii) At km 111 on NH-6
(Calcutta-Baharagora Section)

(iv) At km 172.2 on NH. 2
(Asansol-Calcutta Section)

Step to Repair National Highways in West Bengal

2266. SHRI DIPANKAR MUKHER-JEE*
SHRI JIBON ROY:

Will the Minister oif SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government propose to take any steps for repairs to the stretohes on NHs in th_e State of West Bengal;

(b) whether any proposal from the State have been received by Government in this respect; and

(c) if so, by when the programme of strengthening the distressed $stretohe_s$ of NH_S in West Bengal will be started?

THE! MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) (a) to (c) Proposals for normal annual maintenance for the year 1994-95 have been received from the State Goveriimient. Maintenance and Repairs of National Highways is a continuous process. An amount of 28 crore for development of National Highways including strengthening have been provided in the Annual Plan 1994-95 for West Bengal.

राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात को नियंत्रत करने संबंधी अध्ययन

2267 चौधरी हरमोहन सिंह :
श्री आस मोहम्मद :

क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में सड़क नेटवर्क के एक बड़े भाग पर विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्गों पर, खंडंजा युक्त सतह नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप भारी वाहनों के यातायात की आवश्यकतायें ठीक से पूरी नहीं हो पाती;

(ख) क्या इस संबंध में कोई अध्ययन कराया गया है ;

(ग) यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला है ; और

(घ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही किये जाने का विचार है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) संघ सरकार केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव के लिये जिम्मेदार है । राष्ट्रीय राजमार्गों से भिन्न सभी सड़कों के लिये संबंधित राज्य सरकारें जिम्मेदार होती हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर ब्रिक-लाईनिंग नहीं होती बल्कि आमतौर पर उन पर झुकावदार पेवमेंट और पेवड शोल्डर्स होते हैं जिन पर यातायात की जरूरतों और निम्नकोटि की मिट्टी के अनुरूप पतली सतह होती है । ऐसा निधियों की उपलब्धता को मद्दे नजर रख कर किया जाता है ।

(ख) जी, नहीं ।